**राष्ट्रीय प्रेस विज्ञप्ति**

6 अक्टूबर 2016 - भारत में तुरंत वितरण के लिए

**चिकनगुनिया/ डेंगू = मच्छर या कुशासन?**

**भारत में मच्छरों द्वारा फैलाई गयी महामारी को केवल लिबरल शासन प्रणाली द्वारा ही रोका जा सकता है, कहतें हैं स्वर्णभारत पार्टी के उपाध्यक्ष आलोक कुमार**

स्वर्ण भारत पार्टी के उपाध्यक्ष आलोक कुमार नें राजधानी दिल्ली में चिकनगुनिया से हुई नागरिकों की मौत पर खेद व्यक्तकिया। जब तक भारत की सरकारें दुकानें और बैंक चलानें के व्यापार में पूरी तरह व्यस्त हैं, तब तक नागरिकों के स्वास्थ्य और खुशहाली में हमेशा कमी रहेगी।

जबकि हुई मौतों के बिलकुल सटीक आंकड़े विशेषज्ञों द्वारा विवादित ठहराये जा रहें हैं, यह कहना वैद होगा कि कुछ लोगोंकी मौत डेंगू और चिकेनगुनिया से जरूर हुई है। हज़ारों की तादाद में लोग अत्यंत दर्द से ग्रसित हुए हैं। बहुत से लोगों कोदीर्घकालिक परिणामों से जूझना पड़ रहा है।

श्री आलोक कुमार नें कहा कि वास्तव में यह महामारी कुशासन व्यवस्था की मिसाल है। देश में राजनैतिक दलों को इसकेकारणों के बारे में भनक भी नहीं है । मान्य उच्च न्यायालय ने आप और बीजेपी दोनों ही पार्टियों की सरकारों को जिम्मेदारठहराया है। लेकिन इसके बदले ये पार्टियां एक दुसरे पर इलज़ाम लगाने में व्यस्त हैं, जबकि लोग मरे जा रहे हैं।

मच्छरों से हर साल हो रही महामारी के समाधान के लिए कई प्रयोग करनें होंगे। इनमें नालियां और ज़मीन के नीचेले,सड़कें और सार्वजनिक जगहों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनाना होगा जिससे पानी जमा न हो। टाउन प्लानिंग के जरिए भी पानी को जमा होने से रोकना होगा। जन शिक्षा का अभियान चलना होगा, ताकि लोग मच्छर दानी लगानें के लिए औरबगीचे में रखे खुले पात्रों को उड़ेलनें के लिए प्रेरित हों।

फॉगिंग का भी इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन यह उल्लेखनीय है कि लार्वा को फॉगिंग प्रभावित नहीं करती और जिनवयस्क मच्छरों पर फॉगिंग का सीधा प्रहार नहीं होता वो जीवित रहतें हैं। इसके विपरीत, खुले में फॉगिंग से मच्छर लोगों केघरों में घुसनें को मज़बूर हो जातें हैं और फॉग करनें से कुछ लोगों में एलर्जिक प्रतिक्रिया भी हो सकती है।

श्री आलोक कुमार ने कहा कि सरकार को अमरीकी रोग नियंत्रण केंद्र जैसी वेबसाईट खोलनें की आवश्यकता है जिसकेमाध्यम से, व SMS के जरिये, लोगों को सूचित किया जा सके। सरकार को परजीवी/वायरस पर सीधा प्रहार भी करनाहोगा। श्रीलंका देश मलेरिया से मुक्त है क्योंकि वहाँ मलेरिया पैरासाइट को निशाना बनाकर तुरंत उपचार किया गया। इससे संवर्द्धित रूप से परजीवी कोष में घटोतरी होती है। पूर्व अधिसूचना और विलगता मच्छरों के जालों से चिकेनगुनियाऔर डेंगू वायरस कोष में घटोतरी करनी पड़ेगी | वैक्सीन को बनानें में फास्ट ट्रैक अनुसंधान की सख्त आवश्यकता है।ट्रांसजैनिक स्टेरिलाइजेशन(Transgenic sterilisation) तकनीक भी मच्छरों को घटानें में कारगर साबित हो सकती है।

श्री आलोक कुमार ने कहा कि समाजवादी नीतियों ने भारत का भट्टा बैठा दिया है। समाजवादी पार्टियों न तो स्वच्छशासन व्यवस्था दे सकती हैं और न ही इनकी पहुँच पेशेवर और वैज्ञानिक है। आज तक लोगों के पास कोई विकल्प नहीं था,लेकिन अब स्वर्ण भारत पार्टी, भारत की एकमात्र लिबरल पार्टी, आ चुकी है। इस पार्टी के पास स्पष्ट नक्शा और नीतियां हैंजोकि भारत में समाजवादी पार्टियों द्वारा बनाई अव्यवस्था और गंदगी को तुरंत बाहर निकाल सकती हैं।

अन्त

**संपादकों के लिए नोट:**

स्वर्ण भारत पार्टी ही भारत की एकमात्र लिबरल पार्टी है जोकि नागरिकों की आज़ादी और समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है ।

**संपर्क सूत्र :**

आलोक कुमार(गाज़ियाबाद), राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और उत्तर प्रदेश अध्यक्ष - +91 9999755334

संजय सोनवणी (पुणे), राष्ट्रीय अध्यक्ष - +91 9860991205